लैंगिक अपराध से पीड़ित बालकों के लिए न्याय पाने के दौरान यह बातें जान लें

चिकित्सीय परीक्षण

(164 ए सी.आर.पी.सी)

बालक के साथ लैंगिक अपराध के ज़्यादातर मामलों में, बालक से एक संपूर्ण चिकित्सीय परीक्षा से गुज़रने की उम्मीद की जाती है ताकि चिकित्सा प्रमाण इकट्ठा किया जा सके।

प्रक्रिया के लिए लिया गया समयः

इस प्रक्रिया में २ घंटे से लेकर एक पूरा दिन लग सकता है। बालक की निरंतर चोटों की प्रकृति, चिकित्सा पेशेवर की उपलब्धता और अन्य कारकों की उपलब्धतापरसमयनिर्धारित होता है।

किस चरण में पीड़ित बालक की चिकित्सीय परीक्षा होती है?

जैसे ही बाल लैंगिक शोषण का मामला दर्ज होता है, चिकित्सीय परीक्षा की जाती है। पुलिस आपको तारीख और अस्पताल के बारे में बताएगी जहां परीक्षण आयोजित होने वाला है। वह बालक और आपको अस्पताल में नियुक्ति के दिन व्यक्तिगत रूप से अनुरक्षित कर सकते हैं। कुछ मामलों में पुलिस आपको शिकायत दर्ज करने से पहले चिकित्सा जांच करने के लिए कह सकती है ताकि सबूत मिट न जाएं।

क्या यह अनिवार्य है?

एक आयोजित चिकित्सीय परीक्षा अच्छा अभ्यास माना जाता है

सहमति से संबंधित जानकारी

यदि बालक १२ वर्ष से कम आयु का है, तो परीक्षा के लिए माता-पिता या अभिभावक सहमति दे सकते हैं। 12 वर्ष से अधिक आयु वाले बालक स्वयं चिकित्सा परीक्षा में सहमति दे सकते हैं।

चिकित्सीय इतिहास लेना:

अधिकांश डॉक्टर बालकों से बात करेंगे और घटना का विस्तृत इतिहास लेंगे। जब डॉक्टर बालक से बात कर रहे होंगे तो आपको कमरा छोड़ने के लिए कहा जा सकता है। निर्णय बालक की सहूलियत के आधार पर किया जाना चाहिए।

बालक के साथ रहना:

माता-पिता या एक विश्वसनीय वयस्क को परीक्षण के दौरान बालक के साथ रहने की अनुमति दी जानी चाहिए। लेकिन यह बालक की सहूलियत और अस्पताल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। आप एक महिला डॉक्टर के लिए अनुरोध कर सकते हैं यदि बालक किसी पुरुष डॉक्टर से जांच नहीं कराना चाहता है।

यह भी याद रखें:

यदि बालक को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है, तो एक महिला कांस्टेबल को बालक के पास होना चाहिए।

यदि बालक विकलांग है तो सुनिश्चित करें कि बालक को एक प्रमाण पत्र जारी किया गया है जो वैद्यकीय परीक्षा के एक भाग के रूप में उसकी विक्लांगता दर्शाता हो

जब चिकित्सीय परीक्षण के लिए जाएं तोयह सब चीजें अपने साथ रखें:

बालक के लिए खाना और पानी।

अगर बालक को इंतजार करना पड़ता है तो रंग भरने वाली किताबें, बच्चों की किताबें, कुछ खिलौने और वीडियोगेम की मदद से वह बेचैन नहीं होते।

यदि आप बालक के माता-पिता हैं, तो एक मान्य पहचान प्रमाण रखें।

यदि आप बालक की सहायता करने वाले भरोसेमंद व्यक्ति हैं या सपोर्टपर्सन हैं, तो वैध पहचानप्रमाण के साथ आपको सपोर्टपर्सन के रूप में नियुक्ति के लिए सी.डब्ल्यू.सी द्वारा जारी आदेश रखें।

बालक से चिकित्सीय परीक्षण के बारे में कैसे बात करें?

बालक को बताएं कि उसको चिकित्सीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया जाएगा।

उन्हें बताएं कि पूरी प्रक्रिया के दौरान उन्हें एक विभाग से दूसरे पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

उन्हें बताएं कि डॉक्टर उन्हें इस घटना का पूरा बयान देने के लिए कहेंगे।

बयान के बाद,डॉक्टर बालक से सहमति के लिए पूछेंगे। सहमति के बारे में बालक से बात करें। बालक को बताया जाना चाहिए कि डॉक्टर सबूत के लिए उन्हें जांचेंगे।

उन्हें बताएं कि उन्हें कुछ स्तर तक असुविधा महसूस हो सकती है उन्हें बताएं कि रक्त,मूत्र,कपड़े इत्यादि के नमूने एकत्र किए जाएंगे और आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए इस सबूत का इस्तेमाल किया जाएगा।

यदि बालक परीक्षण के लिए तैयार नहीं है तो वह सहमति देने से इंकार कर सकता है।

यदि उन्हें परीक्षणकेदौरान असहज महसूस होता हैतोवे चिकित्सक से परीक्षण को रोकने के लिए कह सकते हैं

चिकित्सीय परीक्षण के बादः

सुनिश्चित करें कि आपको चिकित्सीय परीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति प्राप्त हुई है।

बालक को पार्क या कहीं और ले जाये जहां वह आराम कर सके और अपने दिमाग को केस से दूर रख सके।

बालक से बात करें और बालक को खुलकर बोलने दें। सक्रिय रूप से सुनें और नरमी से और उचित रूप से प्रतिक्रिया दें।